SAMPLE QUESTION PAPER - 1
SUBJECT- Hindi A (002)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं, लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्द्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और अपने काम में तारीफ़ ही तारीफ़ सुनना चाहते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग हैं, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में-'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(i) बहुमुखी लोगों के बारे में कौनसे कथन सही हैं -

i. बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं।
ii. बहुमुखी लोग आलोचना से नहीं डरते हैं।
iii. बहुमुखी लोगों की पूछ - परख कम होती है।
iv. बहुमुखी लोगों के असफल होने की आशंका नहीं होती है।

क) कथन i व iii सही हैं
ख) कथन i व iv सही हैं
ग) कथन i, ii व iii सही हैं
घ) कथन ii व iv सही हैं

(ii) **विश्व** शब्द का गद्यांश में से चुनकर पर्यायवाची शब्द बताइए-

क) कस्बा
ख) भारत
ग) नगर
घ) दुनिया

(iii) असफल प्रतिभाशाली किस रोग से पीड़ित माने जाते हैं?

क) बहुविशेषज्ञ
ख) विषयी समस्याओं से
ग) विंची सिंड्रोम
घ) स्पर्द्धाओं से

(iv) **एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाएँ** नामक मंत्र किस क्षेत्र में प्रभावी है?

क) प्रबंधन क्षेत्र में
ख) आलोचनाओं के क्षेत्र में
ग) प्रतिभाओं में
घ) बहुमुखी क्षेत्र में

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): बहुमुखी प्रतिभा से व्यक्ति का नुकसान होता है।
कथन (R): बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्ति की उत्सुकता उन्हें दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है।

क) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
घ) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हारा हूँ सौ बार
गुनाहों से लड़-लड़कर
लेकिन बारंबार लड़ा हूँ
मैं उठ-उठकर
इससे मेरा हर गुनाह भी मुझसे हारा
मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा
डूबा हूँ हर रोज़
किनारे तक आ-आकर
लेकिन मैं हर रोज़ उगा हूँ
जैसे दिनकर
इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी
मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी
-- केदारनाथ अग्रवाल

(i) कवि गुनाहों से सौ बार हारा है, लेकिन वह लड़ा है

क) उठ-उठकर | ख) भाग-भागकर
ग) गिर-गिरकर | घ) छिप-छिपकर

(ii) कवि ने अपनी असफलताओं को पराजित किया है

क) गुनाहों से लड़कर | ख) घायल होकर
ग) अनाचार का सामना करके | घ) विजय की कामना करके

(iii) **डूबा हूँ हर रोज़ किनारे तक आ-आकर** का अर्थ है कि कवि

क) असफलताओं से नहीं घबराता | ख) वह तैरना नहीं जानता
ग) सफलताओं के समीप आकर भी असफल हुआ है | घ) प्रतिदिन किनारे आकर डूब गया है

(iv) **मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी** पंक्ति द्वारा कवि के व्यक्तित्व की इस विशेषता का पता चलता है कि उसने विजय प्राप्त की है

क) अपनी सुंदरता का ध्यान रखकर | ख) अपनी सुंदरता को सँवारकर
ग) हार न मानकर, लगातार संघर्ष करते हुए | घ) अपनी सुंदरता को नष्ट करके

(v) प्रस्तुत काव्यांश से कवि का क्या आशय है?

क) मनुष्य को असफलताएँ देखकर घबराना नहीं चाहिए

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) मनुष्य को सफलताओं पर गर्व करना चाहिए

घ) मनुष्य को असफलताओं से मुँह मोड़ लेना चाहिए

3. **निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित में से किस शब्द में **इत** प्रत्यय प्रयुक्त नहीं हुआ है? **[1]**

क) आनंदित

ख) इंसानियत

ग) पुष्पित

घ) कलंकित

(ii) **नयन** शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? **[1]**

क) ना

ख) उन

ग) अन

घ) न

(iii) **बदबू** शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है? **[1]**

क) बे

ख) बद

ग) ब

घ) बा

(iv) **प्रवचन** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) पर्

ख) पर

ग) प्र

घ) प्रव

(v) **प्रत्युत्पन्नमति** शब्द में कौन-सा उपसर्ग है? **[1]**

क) प्रत्यु

ख) प्रति

ग) प्रत्

घ) प्र

4. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **कुलश्रेष्ठ** समस्त पद में समास है- **[1]**

क) बहुव्रीहि

ख) तत्पुरुष

ग) कर्मधारय घ) द्वंद्व

(ii) **कन्यादान** में कौन-सा समास है? [1]

क) बहुव्रीहि ख) तत्पुरुष

ग) कर्मधारय घ) द्विगु

(iii) 'घन के समान श्याम हैं जो अर्थात श्रीकृष्ण' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। [1]

क) घनश्याम - समस्त पद
कर्म तत्पुरुष समास - समास का नाम

ख) घनश्याम - समस्त पद
कर्मधारय समास - समास का नाम

ग) घनश्याम - समस्त पद
बहुव्रीहि समास - समास का नाम

घ) घनश्याम - समस्त पद
द्वंद्व समास - समास का नाम

(iv) इस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और विग्रह के समय समुच्चयबोधक अव्यय- और, तथा, या, अथवा आदि का प्रयोग किया जाता है। [1]

क) द्वंद्व समास ख) अव्ययीभाव समास

ग) कर्मधारय समास घ) बहुव्रीहि समास

(v) किस समास के दोनों शब्दों के समानाधिकरण होने पर कर्मधारय समास होता है? [1]

क) तत्पुरुष ख) द्वंद्व

ग) द्विगु घ) अव्ययीभाव

5. **निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए-
जब तक लॉकडाउन समाप्त नहीं होगा तब तक विद्यालय नहीं खुल सकेंगे। [1]

क) संकेतवाचक ख) आज्ञावाचक

ग) संदेहवाचक घ) निषेधवाचक

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए-
मैं कल जयपुर गया था। [1]

क) संयुक्त ख) प्रश्नवाचक

ग) साधारण वाक्य　　घ) विधानावाचक

(iii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- **[1]**
अहा! इतना सुंदर फूल देखकर मन प्रसन्न हो उठा।

क) संदेहवाचक　　ख) इच्छावाचक

ग) विधानवाचक　　घ) विस्मयवाचक

(iv) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- **[1]**
झूठ मत बोलो।

क) प्रश्नवाचक　　ख) विधानवाचक

ग) नकारात्मक　　घ) निषेधवाचक

(v) **तुमने तो मेरा मन जीत लिया** किस प्रकार का वाक्य है? **[1]**

क) विस्मयादिबोधक वाक्य　　ख) इच्छाबोधक वाक्य

ग) मिश्र वाक्य　　घ) संकेतवाचक वाक्य

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
बरसत बारिद बून्द गहि।

क) अनुप्रास अलंकार　　ख) यमक अलंकार

ग) उपमा अलंकार　　घ) रूपक अलंकार

(ii) **तोपर वारौं उर बसी, सुन राधिके सुजान।** **[1]**
तू मोहन के उर बसी ह्वे उरबसी सामान।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा अलंकार　　ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार　　घ) अनुप्रास अलंकार

(iii) **यह देखिये, अरविन्द-शिशु वृन्द कैसे सो रहे।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? **[1]**

क) रूपक अलंकार　　ख) अनुप्रास अलंकार

ग) उपमा अलंकार　　घ) यमक अलंकार

(iv) **पायो जी मैंने राम रतन धन पायो** में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) मानवीकरण ख) उपमा

ग) रूपक घ) अनुप्रास

(v) **सपना-सपना समझ कर भूल न जाना।** इस में कौन-सा अलंकार है। [1]

क) यमक अलंकार ख) रूपक अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार घ) उपमा अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले। दोनों की बोटी-बोटी काँप रही थी। बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते-पड़ते भागे जाते थे; क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर ज़ोर से डंडा जमा देता था। राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नजर आया। सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था। कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं सब। किसी को चिंता नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुःखी हैं।
सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई। आह? यह लो!
अपना ही घर आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है।

(i) दढ़ियल व्यक्ति कौन था?

क) एक बधिक अर्थात् कसाई ख) झूरी

ग) झूरी की पत्नी का भाई घ) एक व्यापारी

(ii) दोनों बैल दढ़ियल के साथ चलते हुए क्यों काँप रहे थे?

क) उन्हें डर था कि वह दढियल उन्हें गया को न सौंप दे ख) उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

ग) उन्हें स्वर्य को पीटे जाने का डर था घ) उन्हें झूरी से दूर हो जाने का डर था

(iii) बैलों को किनका जीवन अधिक सुखमय लगा?

क) गाँव के जीवन का ख) राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

ग) दढ़ियल व्यक्ति का घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) दोनों बैलों की चाल अचानक तेज क्यों हो गई?

क) इनमें से कोई नहीं | ख) वे गाय-बेलों के रेवड़ में मिल जाना चाहते थे

ग) उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है | घ) उनके मन में दढ़ियल व्यक्ति को मारने का विचार आया

(v) **दुर्बलता** में क्रमशः उपसर्ग व प्रत्यय कौन-से हैं?

क) दुः, लता | ख) दुः, ता

ग) दुर्, ता | घ) ता, दुर्

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** [2]

(i) सालिम अली ने बचपन में गोरैया को किससे घायल किया था? [1]

क) तलवार से | ख) गुलेल से

ग) एयरगन से | घ) पत्थर मार कर

(ii) प्रेमचन्द के फटे जूते पाठ के सन्दर्भ में 'टीला' किसका प्रतीक है? [1]

क) पत्थर का ढेर | ख) सामाजिक रूढ़ियों का

ग) रेत का ढेर | घ) पारिवारिक समस्याओं का

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजे, सोई संत सुजान।।

(i) कबीर जी के अनुसार, किसके कारण पूरा संसार भक्ति के वास्तविक मार्ग को भूल गया है?

क) इनमें से कोई नहीं | ख) पक्ष-विपक्ष के कारण

ग) नास्तिकता के कारण | घ) लड़ाईझगड़े के कारण

(ii) हरिभजन के लिए किस भावना का होना आवश्यक है?

क) भेदभाव की भावना का | ख) धर्म पर विश्वास करने की भावना का

ग) पक्षपात की भावना का | घ) मन में निष्पक्षता की भावना का

(iii) **निरपख होई के हरि भजै, सोई संत सुजान** पंक्ति है क्या आशय है?

क) मनुष्य को बिना किसी पक्ष-विपक्ष के भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए

ख) मनुष्य को बिना किसी तर्क-वितर्क के भगवान का भजन करना चाहिए

ग) सभी

घ) निष्पक्ष भक्ति करने वाला ही सच्चे अर्थों में संत कहलाता है

(iv) सच्चा ज्ञानी कौन कहलाता है?

क) जो बैर-भाव के साथ ईश्वर भजन करता है

ख) जो भेदभाव को सर्वोपरि रखता है

ग) जिसमें जातिवाद की भावना होती है

घ) जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

(v) सोई संत सुजान में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा

ख) यमक

ग) उत्प्रेक्षा

घ) अनुप्रास

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **ग्राम श्री** कविता के अनुसार प्रस्तुत कविता का स्वर है- **[1]**

क) देश-प्रेम

ख) भक्ति

ग) प्रकृति प्रेम

घ) ओज और वीरता

(ii) लोगों को बच्चों का काम पर जाना अटपटा क्यों नहीं लगता? **[1]**

क) वे कर्म को ही पूजा मानते हैं

ख) उनका मानना है कि काम सभी को करना चाहिए

ग) वे संवेदना शून्य हो गए हैं

घ) वे संवेदना शून्य नहीं हैं

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) यह यात्रा राहुल जी ने 1930 में की थी। आज के समय यदि तिब्बत की यात्रा की जाए तो राहुल जी की यात्रा से कैसे भिन्न होगी? **[2]**

(ii) आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है? [2]

(iii) 'ताई साहिबा' के उदाहरण द्वारा महादेवी ने क्या संदेश देने का प्रयास किया है? [2]

(iv) लेखक श्यामाचरण दुबे के अनुसार, हम दिग्भ्रमित और अन्यों से निर्देशित क्यों हैं? [2]

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) वाख में **रस्सी** किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है? [2]

(ii) **मेघ आए** कविता में प्रयुक्त आंचलिक शब्दों की सूची बनाइए। [2]

(iii) 'शासन की करनी भी काली' के माध्यम से लेखक ने किस करनी की ओर संकेत किया है? [2]

(iv) श्रीकृष्ण की मुरली की धुन सुनकर तथा उनकी मुस्कान से गोपियों की मनोदशा कैसी हो जाती है? [2]

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** [8]

(i) इस जल प्रलय में पाठ के अनुसार नौजवान के पानी में उतरते ही कुत्ता भी पानी में कूद गया। दोनों ने किन भावनाओं के वशीभूत होकर ऐसा किया? [4]

(ii) मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर लिखिए कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धा भाव से देखा जाता है? [4]

(iii) समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते हैं? [4]

14. **शहरी जीवन : कल्पना और यथार्थ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- शहरी जीवन की कल्पना; सफाई, सुंदरता, आदि की कल्पना और वास्तविक स्थिति
- शहर और गाँव के जीवन में अन्तर
- शहर में रहने के लाभ एवं हानि

अथवा

आत्मनिर्भरता विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

मेरे सपनों का देश विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- देश और देशवासियों का अनोखा संबंध

- मेरी कल्पनाओं का देश - खूबियाँ और मंज़िलें
- देश-निर्माण में बतौर नागरिक मेरा योगदान
- हमें किन प्रयासों की जरूरत है?

15. आपके विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ। इसका विवरण देते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखकर उसे प्रकाशित करने का अनुरोध कीजिए। **[5]**

अथवा

आपका छोटा भाई छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसने आपसे परीक्षा की तैयारी के लिए मार्ग-दर्शन चाहा है। परीक्षा की तैयारी की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

16. **जब मैंने अन्तरिक्ष में कदम रखा** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आप बतौर अध्यापक कार्यरत हैं लेकिन आप किसी कारण से अब अपना व्यवसाय बदलना चाहते हैं। नौकरी से त्यागपत्र देते हुए विद्यालय प्रमुख को **80** शब्दों में ई-मेल लिखिए। आपका नाम प्रेरणा/प्रतीक है।

17. देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर मोहित और राहुल दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय में छुट्टी के उपरांत फुटबॉल खेलना सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लिखिए।

Answers

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं, लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे? मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्द्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्द्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और अपने काम में तारीफ़ ही तारीफ़ सुनना चाहते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग हैं, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों। बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में-'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(i) **(क)** कथन i व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i व iii सही हैं

(ii) **(घ)** दुनिया
व्याख्या: दुनिया

(iii) **(ग)** विंची सिंड्रोम
व्याख्या: विंची सिंड्रोम

(iv) **(क)** प्रबंधन क्षेत्र में
व्याख्या: प्रबंधन क्षेत्र में

(v) **(क)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हारा हूँ सौ बार
गुनाहों से लड़-लड़कर
लेकिन बारंबार लड़ा हूँ

मैं उठ-उठकर
इससे मेरा हर गुनाह भी मुझसे हारा
मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा
डूबा हूँ हर रोज़
किनारे तक आ-आकर
लेकिन मैं हर रोज़ उगा हूँ
जैसे दिनकर
इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी
मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी
-- केदारनाथ अग्रवाल

(i) **(क)** उठ-उठकर
व्याख्या: दिए गए काव्यांश में स्पष्ट किया गया है कि कवि गुनाहों से लड़-लड़कर भले ही सौ बार हारा हो, लेकिन बार-बार वह लड़ने के लिए उठ खड़ा हुआ है।

(ii) **(क)** गुनाहों से लड़कर
व्याख्या: कवि का कहना है कि उसके बार-बार उठ-उठकर लड़ने के कारण ही उसका हर गुनाह उससे हारा है, पराजित हुआ है, असफल हुआ है।

(iii) **(ग)** सफलताओं के समीप आकर भी असफल हुआ है
व्याख्या: कवि का तात्पर्य है कि वह हर दिन किनारों तक आ-आकर भी डूब जाता है अर्थात् सफलताओं के समीप आकर भी असफल हुआ है।

(iv) **(ग)** हार न मानकर, लगातार संघर्ष करते हुए
व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति में उल्लेखित सुंदरता शब्द के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि उसने कभी हार न मानने वाली प्रवृत्ति के कारण अपने व्यक्तित्व को लगातार संघर्ष करते हुए सँवारा है।

(v) **(क)** मनुष्य को असफलताएँ देखकर घबराना नहीं चाहिए
व्याख्या: मनुष्य को चाहिए कि वह जीवन के संघर्षों के सामने कभी न हारे। उनका लगातार मुकाबला करे। उसे असफलताओं से कभी घबराना नहीं चाहिए।

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** इंसानियत
व्याख्या: इंसानियत में इत प्रत्यय प्रयुक्त नहीं हुआ है।

(ii) **(ग)** अन
व्याख्या: अन

(iii) **(ख)** बद
व्याख्या: बद

(iv) **(ग)** प्र
व्याख्या: प्र + वचन

(v) **(ख)** प्रति
व्याख्या: प्रति(उपसर्ग) + उत्पन्न + मति (प्रत्यय)

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ख)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष
(ii) **(ख)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष
(iii) **(ग)** घनश्याम - समस्त पद
बहुव्रीहि समास - समास का नाम
व्याख्या: घनश्याम का अन्य अर्थ (श्रीकृष्ण) निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।
(iv) **(क)** द्वंद्व समास
व्याख्या: द्वंद्व समास - माता और पिता
(v) **(क)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** संकेतवाचक
व्याख्या: संकेतवाचक
(ii) **(घ)** विधानावाचक
व्याख्या: विधानावाचक
(iii) **(घ)** विस्मयवाचक
व्याख्या: विस्मयवाचक
(iv) **(घ)** निषेधवाचक
व्याख्या: निषेधवाचक
(v) **(क)** विस्मयादिबोधक वाक्य
व्याख्या: इस वाक्य में खुश होने का भाव प्रकट होता है, इसीलिए यह विस्मयादिबोधक वाक्य का उदाहरण है।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार
(ii) **(ग)** यमक अलंकार
व्याख्या: यमक अलंकार
(iii) **(ग)** उपमा अलंकार
व्याख्या: उपमा अलंकार

(iv)**(ग)** रूपक

व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति में राम अर्थात ईश्वर की तुलना रत्न और धन से की गई है। प्रस्तुत पंक्ति में उपमेय की उपमान से भेदरहित तुलना की गई है। यहाँ उपमेय और उपमान में समानता नहीं है। इसीलिए यहाँ रूपक अलंकार है।

(v) **(क)** यमक अलंकार

व्याख्या: यमक अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले। दोनों की बोटी-बोटी काँप रही थी। बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते-पड़ते भागे जाते थे; क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर ज़ोर से डंडा जमा देता था। राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नजर आया। सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था। कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं सब। किसी को चिंता नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुःखी हैं।

सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई। आह? यह लो!

अपना ही घर आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है।

(i) **(क)** एक बधिक अर्थात् कसाई

व्याख्या: एक बधिक अर्थात् कसाई

(ii) **(ख)** उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

व्याख्या: उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

(iii)**(ख)** राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

व्याख्या: राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

(iv)**(ग)** उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

व्याख्या: उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

(v) **(ग)** दुर्, ता

व्याख्या: दुर्, ता

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** एयरगन से

व्याख्या: सालिम अली ने बचपन में अपनी एयरगन से गोरैया को घायल किया था।

(ii) **(ख)** सामाजिक रूढ़ियों का

व्याख्या: सामाजिक रूढ़ियों का

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजे, सोई संत सुजान।।

(i) **(ख)** पक्ष-विपक्ष के कारण
व्याख्या: पक्ष-विपक्ष के कारण

(ii) **(घ)** मन में निष्पक्षता की भावना का
व्याख्या: मन में निष्पक्षता की भावना का

(iii) **(ग)** सभी
व्याख्या: सभी

(iv) **(घ)** जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है
व्याख्या: जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

(v) **(घ)** अनुप्रास
व्याख्या: अनुप्रास

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** प्रकृति प्रेम
व्याख्या: प्रकृति प्रेम

(ii) **(ग)** वे संवेदना शून्य हो गए हैं
व्याख्या: लोगों को बच्चों का काम पर जाना अटपटा इसलिए नहीं लगा क्योंकि वे संवेदना शून्य हो गए हैं।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) विद्यार्थी सहपाठी अथवा बड़े की सहायता से स्वयं करें।

(ii) मेरी दृष्टि में वेश-भूषा को लेकर आज के लोगों की सोच में काफी परिवर्तन आया है। आजकल लोग अपनी वेशभूषा के प्रति बहुत जागरूक हो गए हैं। वे मौके के अनुसार वेशभूषा का चयन करते हैं। आज लोग घर से शानदार पोशाक पहनकर बाहर निकलते हैं जिससे हमें इनकी आर्थिक स्थिति का पता नहीं चलता है। कहने का अर्थ है कि कम पैसे वाले लोग भी यथासंभव अपनी बुद्धि का प्रयोग पोशाक के चयन में भी करते हैं। यह काफी हद तक अच्छी बात है। समस्या तब आती है जब विभिन्न असमानताओं से भरे हमारे देश में पहनावा हमारा स्टेटस सिंबल या कहें दिखावे की वस्तु बन जाता है। लोग दिखावे में आकर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई फैशन के चक्कर में अपने कपड़ों पर खर्च करते हैं। अमीर का तो इसमें नाम मात्र का आर्थिक नुकसान होता है। वहीं गरीब तो बेचारा मारा ही जाता है। मध्यम आय वर्ग के लोग भी फैशन के आर्थिक बोझ के तले दब जाते हैं।

(iii) ताई साहिबा जवारा के नवाब की पत्नी थीं। वे और लेखिका का परिवार एक ही कंपाउंड में रहते थे। यहाँ महादेवीजी ने उनके साथ अपने पारिवारिक संबंधों का वर्णन किया है। वे एक-दूसरे के त्योहारों को मिल-जुलकर मनाते थे। बच्चों के जन्मदिन को दोनों परिवार के लोग साथ-साथ

मनाते थे तथा परस्पर भावनाओं की कद्र करते थे। ताई साहिबा से लेखिका ने सांप्रदायिक भेद-भाव त्यागकर साथ रहने, परस्पर सद्भावना बनाए रखने तथा एक-दूसरे की भावनाएँ समझने का संदेश दिया है।

(iv)हम छद्म आधुनिकता को सत्य मानकर तथा पाश्चात्य संस्कृति को श्रेष्ठ मानकर दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हम अपनी संस्कृति को छोड़ दूसरी संस्कृति का अनुसरण कर बौद्धिक दासता के शिकार हो रहे हैं, जिसके कारण हम पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) वाख में 'रस्सी' शब्द मनुष्य की साँसों के लिए प्रयुक्त हुआ है। इसके सहारे वह शरीर-रूपी नाव को इस संसार रुपी सागर में खींच रहा है। यह रस्सी अत्यंत कमज़ोर है। यह कब टूट जाए इसका कुछ निश्चित पता नहीं है। अर्थात् मनुष्य की साँसे कब रुक जाए, इसका कुछ पता नहीं है।

(ii) कविता में प्रयुक्त आंचलिक शब्द निम्न प्रकार से हैं-

i. बयार
ii. बांकी
iii. जुहार
iv. अकुलाई
v. हरसाया
vi. ताल

(iii)'शासन की करनी भी काली' के माध्यम से लेखक ने अंग्रेज़ सरकार के द्वारा किये गए कुकृत्यों को काला कहा है। पराधीन भारत में अंग्रेज़ भारतीयों का शोषण कर रहे थे। स्वतंत्रता की आवाज़ उठाने वालों को जेल में डाल दिया जाता था या मार दिया जाता था। निर्दोष भारतीयों को भी मारने में वे पीछे नहीं हटते थे। वे किसान, मज़दूर, या दुकानदार हर किसी पर अत्याचार कर उनका शोषण कर रहे थे। उनके इन्हीं कार्यों को कवि ने 'शासन की करनी भी काली' कहा है।

(iv)श्रीकृष्ण की मुरली की ध्वनि मादक तथा मधुर है जो सुनने में अत्यंत कर्णप्रिय लगती है। इसके अलावा श्रीकृष्ण की मुस्कान ब्रजवासियों तथा गोपियों को विवश कर देती है। गोपियाँ श्रीकृष्ण के सौंदर्य पर मोहित हैं। श्रीकृष्ण के गाए गए गोधन को भी वह अनसुना कर देंगी पर श्रीकृष्ण की मादक मुस्कान देखकर वे अपने आपको संभाल नहीं पाएँगी। वे श्रीकृष्ण की उस मुसकान के आगे स्वयं को विवश पाती हैं तथा उनकी ओर खिंची चली जाती हैं।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) नौजवान के पानी में उतरते ही कुत्ता भी पानी कूद गया। इससे दोनों में लगाव की भावना का पता चलता है। जब गाँव के बीमार लोगों को नाव में बैठाकर कैंप ले जाना था तो वहाँ एक डॉक्टर बोला, आ रे! कुकुर नहीं, कुकुर नहीं, इसको भगाओ। ऐसे में कुत्ते के मालिक ने भी साफ कह दिया की अगर वो नहीं जाएगा तो हम भी नहीं जाएँगे। इसके बाद कुत्ते ने भी पानी में

छलांग दी। इस वाक्य से पता चलता है कि वे दोनों बहुत ही अच्छे मित्र थे और दोनों के बीच बेहद लगाव था।

(ii) जीवन में उन लोगों को श्रद्धाभाव से देखा जाता है जो-

i. अपने स्वार्थ तक ही सीमित न रहकर दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।
ii. जो दूसरों की भलाई के लिए अपना धन, समय, श्रम आदि लगाने से भी नहीं घबराते हैं।
iii. जो घर-परिवार के अलावा समाज के अन्य लोगों को भी उचित राय देते रहते हैं। लेखिका की माँ ऐसा ही किया करती थी।
iv. जो दूसरी की गोपनीय बातों को सार्वजनिक नहीं करते हैं तथा उसकी गोपनीयता बनाए रखते हैं। खुद लेखिका की माँ इसका उदाहरण थीं।

(iii) समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु हम निम्नलिखित प्रयास कर सकते हैं-

i. हमें महिलाओं को हीन दृष्टि से नहीं देखना चाहिए।
ii. महिलाओं को उचित सम्मान देना चाहिए तथा ऐसा करने के लिए दूसरों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए।
iii. स्त्री-शिक्षा में हमें योगदान देना चाहिए।
iv. उनके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अश्लील हरकतें न करें तथा ऐसा करने वालों को हतोत्साहित करें।
v. अपने समय की महान तथा विदुषी स्त्रियों का उदाहरण समाज में प्रस्तुत करना चाहिए।
vi. लड़के और लड़कियों की तुलना करते हुए उन्हें कभी हीन नहीं समझना चाहिए।
vii. लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई तथा खान-पान पर ध्यान देना चाहिए जिससे वे उच्च-शिक्षा प्राप्त कर स्वस्थ हो सके।
viii. उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

14. **शहरी जीवन : कल्पना और यथार्थ**

भारत मुख्य रुप से एक कृषि आधारित देश है। किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वे अपने खेतों में अनाज और सब्जियाँ उगाने के लिए कड़ा परिश्रम करते हैं। वे फसलों की सिंचाई के लिए तालाबों और नहरों में पानी के संरक्षण करते हैं। किसानों का शहरों की भागदौड़ एवं हलचलों से दूर एवं प्रकृति के करीब होता है। वहाँ यदि भूमि और जाति के पूर्वाग्रहों एवं प्रचलित अंधविश्वासों पर होने वाले संघर्षों को अगर छोड़ दे तो हर जगह शांति और सौहार्द का माहौल होता है। दूसरी ओर, शहरों में लोग हमेशा वक्त की कमी से जूझते है, यहाँ हर कार्य काफी तेजी के साथ करना होता है जीवन में को उत्साह नही होता है। वहाँ हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने का जबरदस्त तनाव बना रहता है और व्यस्त शहरी जीवन की वजह से स्वास्थ्य संबंधी अन्य परेशानियाँ भी हो जाती हैं। शहरी निवासियों को अपने मित्रों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों, या यहाँ तक कि अपने परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए भी काफी कम समय होता है। जैसे-जैसे शहरों में रहने वाले लोगों की आवश्यकताएँ एवं उनकी लागत बढ़ती जा रही हैं पैसे के पीछे भागने की प्रवृत्ति भी शहरों में लगातार बढ़ती जा रही है और यह उनके जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। धन जमा कर लेने के बावजूद शांति अभी भी शहरी निवासियों से कोसों दूर है। गाँवों में एवं शहर में रहने वाले लोगों के जीवन में सिर्फ इतना ही फर्क नहीं है। शहरी और ग्रामीण जीवन एकदूसरे के बिल्कुल विपरीत है और इन दोनों जीवनों में जमीन आसमान का फर्क है। एक तरफ जहाँ ग्रामीण

जीवन में संयुक्त परिवार, मित्रो, रिश्तेदारों और साधरण जीवन को महत्व दिया जाता है। वही शहरी जीवन में लोग एकाकी तथा चकाचौंध भरा जीवन जीते है। गाँवों में भी जीवन की अपनी समस्याएँ हैं। वहाँ अकसर भूमि के मालिकाना हक एवं जाति से संबंधित झड़पें होती रहती हैं। कई गाँवों में भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, परिवहन और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। हालांकि हम चाहे गाँव में रहे या शहर में लेकिन हमें अपने जीवन में सही संतुलन और उद्देश्य को स्थापित करने की आवश्यकता है।

अथवा

आत्मनिर्भरता का अर्थ है-स्वयं पर निर्भर होना। अपनी शक्तियों के बल पर व्यक्ति सदा स्वतन्त्र तथा सुखी जीवन जीता है। ईश्वर भी उसी की सहायता करता है, जो अपनी सहायता अर्थात् अपना कार्य स्वयं करते हैं। इसके विपरीत जिन लोगों को दूसरों का आश्रय लेने की आदत पड़ जाती है, वे उन लोगों और आदतों के गुलाम बन जाते हैं। उनके भीतर सोई हुई शक्तियाँ मर जाती हैं। उनका आत्मविश्वास घटने लगता है। संकट के क्षण में ऐसे पराधीन व्यक्ति झट से घुटने टेकने को विवश हो जाते हैं। जिन्हें छड़ी से चलने का अभ्यास हो जाता है, उनकी टाँगों की शक्ति कम होने लगती है। इसलिए अन्य लोगों की बैसाखियों को छोड़कर अपने ही बल-बूते पैर मजबूत करने चाहिए, क्योंकि संकट के क्षण में बैसाखियाँ काम नहीं आती। वहाँ अपनी शक्तियाँ, अपना रुधिर काम आता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही नये-नये कार्य सम्पन्न करने की हिम्मत कर सकता है। वह विश्वासपूर्वक अपना तथा समाज का भला कर सकता है। वही स्वयं को स्वतन्त्र अनुभव करता है तथा गौरव से जी सकता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही स्वाभिमान से जी पाता है। जब तक हम दूसरों के सहारे पर टिके हैं तब तक हमें सम्मान नहीं मिल सकता।

अथवा

मेरे सपनों का देश, विशेष संकेत बिंदुओं पर आधारित है, जो मेरी कल्पनाओं को नए आयाम देते हैं। देश और देशवासियों के बीच एक अनोखा संबंध होना चाहिए, जो सहयोग, समर्थन और समरसता पर आधारित है। मेरा सपना मेरे देश को एक सशक्त, समृद्ध और सहानुभूति-पूर्ण समाज बनाने की है, जहाँ हर व्यक्ति को अपने कौशल के अनुसार मौका मिले।

मेरी कल्पनाएँ देश की खूबियों और मंजिलों की ओर दिशा में मुझे प्रेरित करती हैं। देश-निर्माण में, मैं एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में योगदान करना चाहता हूँ, जो सामाजिक सुधार, शिक्षा, स्वच्छता, और सामर्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय रहूँ।

हमें एक सजीव समाज बनाने के लिए साझा प्रयास करने की आवश्यकता है, जो असमानता, भ्रष्टाचार, और जातिवाद के खिलाफ खड़ा हो। हमें शिक्षा के क्षेत्र में सुधार कर नये दिशानिर्देश स्थापित करने, युवाओं को रोज़गार के अवसर प्रदान करने, और गरीबी को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध रहने की आवश्यकता है।

सपनों का देश वह होता है जो अपने नागरिकों को जीवन के हर क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

15. सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
दैनिक जागरण नई दिल्ली।
विषय- वृक्षारोपण कार्यक्रम के विवरण हेतु
मान्यवर,

मैं अपने विद्यालय में हुए वृक्षारोपण की संस्तुति आपको भेज रहा हूँ ताकि आपके प्रतिष्ठित समाचारपत्र में प्रकाशित हो सके। कल 20 फरवरी, 2020 को मेरे विद्यालय गोविन्द पब्लिक स्कूल, गोविन्दपुरा में वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य, सभी आचार्यों एवं छात्रों ने मिलकर विद्यालय के सीमांत स्थानों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि महोदय ने प्रांगण के मध्य अशोक वृक्ष का एक पौधा लगाया।
मुझे भी इस समारोह में वृक्ष लगाने का मौका प्राप्त हुआ। वृक्षारोपण करके हम सब को बहुत खुशी मिली। पर्यावरण की शुद्धि का संकल्प लेकर सभी ने प्रतिवर्ष कुछ वृक्ष रोपित करने का प्रण किया। समारोह की समाप्ति पर्यावरण से संबंधित कुछ कार्यक्रम के बाद हुई। आशा है, आप समस्त विवरण प्रकाशित कर हमें कृतार्थ करेंगे।
13 जनवरी, 2012
निवेदक
गिरीश शर्मा

अथवा

बी-275/4,
साध नगर, गोविन्द नगर,
पटना (बिहार)।
02 मार्च, 2019
प्रिय अनुज,
मधुर स्नेह।
तुम्हारा पत्र मिला । पढ़कर सब हाल मालूम किया। तुम वहाँ सकुशल हो, यह जानकर खुशी हुई। मैं इस पत्र के माध्यम से बताना चाहता हूँ कि अच्छे ग्रेड लाने के लिए कैसे तैयारी करो।
अनुज, तुम्हारी परीक्षाएँ मार्च के प्रथम सप्ताह से आरंभ होंगी। अब तुम कम-से-कम पाँच घंटे पढ़ने की समय सारिणी बना लो। अर्थात् प्रत्येक विषय के लिए एक घंटा समय निकालो। कुछ छात्र कठिन विषयों को खूब पढ़ते हैं पर आसान समझे जाने वाले विषयों की ओर देखते भी नहीं हैं। परिणामस्वरूप आसान समझे जाने वाले विषयों में ही उनके अच्छे ग्रेड नहीं आ पाते हैं। हाँ, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के लिए अतिरिक्त समय पढ़ाई करो। इन दो विषयों के लिए प्रातःकाल का अध्ययन बेहतर रहेगा। प्रातःकाल का समय पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम होता है, इसलिए प्रातः पढ़ाई करो। मेरी शुभकामनाएँ भी तुम्हारे साथ हैं। पत्र में लिखना मेरी सलाह को तुमने कितना अपनाया। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अग्रज,
धीरेन्द्र

16. **जब मैंने अन्तरिक्ष में कदम रखा**

बहुत मन करता था कि मैं भी कभी अन्तरिक्ष में जाऊं। जल्दी ही मौका भी मिल गया। अपने चाचाजी के साथ अन्तरिक्ष यान में बैठकर पहुँच गया अन्तरिक्ष। वहाँ से देखने पर सभी ग्रह गेंद की भांति लग रहे थे। मैं यान से उतरा और सभी ग्रहों को छू-छू कर देखने लगा। मंगल तो किसी तारे के समान चमक रहा था। चाँद पर बहुत गड्ढ़े थे। सूरज बहुत गर्म था। मैं उसे छू भी नहीं पाया। पृथ्वी किसी शांत मुनि की भांति लग रही थी। जैसे ही मैंने उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, मुझे किसी ने धक्का दिया। आँख खुली तो देखा कि मैं अपने पलंग से नीचे गिरा पड़ा हूँ।

अथवा

From: Prerna56@gmail.com
To: shailendraschool@gmail.com
विषय - नौकरी से त्यागपत्र देने हेतु।
महोदय,
मेरा नाम प्रेरणा है। मैं आपके प्रतिष्ठित विद्यालय में एक शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। मैं आपको यह सूचित करना चाहती हूँ कि व्यक्तिगत कारणों की वजह से मैं नौकरी से अस्थायी रूप से इस्तीफा देने जा रही हूँ।
मेरे कार्यकाल के दौरान मुझे विद्यालय के साथीयों का साथ और समर्थन मिला है, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। में नोटिस अवधि के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की पूरी कोशिश करूँगी। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। आपकी अति कृपा होगी।
बहुत आभारी और सादर,
प्रेरणा

17. मोहित - यार, राहुल भ्रष्टाचार के कारण जीना हराम हो गया है।
राहुल - क्या बात है, मोहित कुछ हुआ क्या?
मोहित - क्या तुम भ्रष्टाचार से त्रस्त नहीं हो? क्या तुम्हारा सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है?
राहुल - नहीं, यार! ठीक-ठाक क्या चलेगा? परंतु मैं अपना काम तो कर ही लेता हूँ।
मोहित - क्या? तुम अपना काम कैसे निकालते हो? क्या तुम भी अपना काम निकालने के लिए भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देते हो।
राहुल - मज़बूरी है यार क्या करूँ?
मोहित - ठीक है तो मेरी तुम्हारी दोस्ती समाप्त! मैं भ्रष्टाचारियों के साथ नहीं रह सकता।
राहुल - नहीं यार, मैं सबकुछ छोड़ दूँगा तुम्हें नहीं छोड़ सकता! आज से मैं किसी को भी रिश्वत नहीं दूँगा।

अथवा

दिल्ली पब्लिक विद्यालय, साधनगर, दिल्ली
फुटबॉल खेलना सीखने के संदर्भ में

दिनांक-

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की छुट्टी के उपरांत विद्यालय के मैदान में फुटबॉल सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जायेंगी। इच्छुक विद्यार्थी कल तक अपना नामांकन खेल सचिव के पास लिखना दें।
कमलेश गुप्ता
(खेल सचिव)